

महोदयजी

जांच से स्पष्ट है कि :-

- (1) प्राचीन पत्र ईसाधिकार का है।
- (2) उचित मोठ पीज पर है।
- (3) अप्रत्यक्ष राजस्व रेकार्ड की उपमागत परिचय से लग्न है।
- (4) प्राचीन पत्र में वर्णित बाराजी के प्रायोगिक स्मृतिदिन से से इन्हें वपती कराने का अधिकार है।
अतः यजिकरु आदेश जारी किया जाना उचित है। आदेशार्थ प्रस्तुत

14/6/23

(5) श्रीमान् एस्त डी. अ. ला

प्रकार १५६०२ आदेश
आदेश

14/6/23

